धमनी सफाई की नई तकनीक

डॉ. नरेश पुरोहित

चिकित्सा विज्ञान के विकास एवं विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश में बाईपास एवं एंजियोप्लास्टी का कोई कारगर, सुरक्षित, कष्टरहित एवं सस्ता विकल्प उपलब्ध नहीं है। लेकिन हृदय रोगियों के लिए एक सुखद खबर यह है कि हमारे देश में आर्टरी क्लीनिंग थेरेपी (धमनी सफाई चिकित्सा) नामक अत्यंत कारगर एवं कष्टरहित पद्धति का उपयोग शुरू हो गया है।

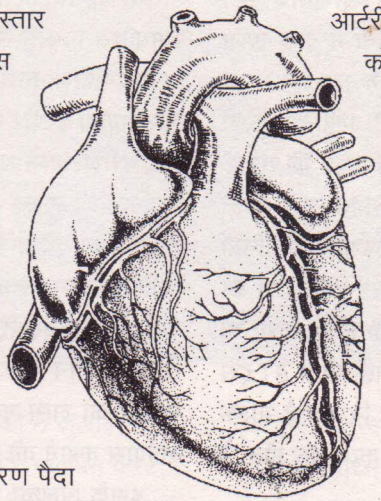

हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल एवं कैल्शियम आदि के जमाव के कारण पैदा होने वाली रुकावट अथवा धमनियों में संकरेपन के कारण रक्त प्रवाह में अवरोध की परिणति दिल के दौरे अथवा असामयिक मृत्यु के रूप में होती है। इस त्रासद स्थिति को टालने के लिए बाईपास शल्यक्रिया अथवा एंजियोप्लास्टी का सहारा लिया जाता है। किन्तु ये दोनों प्रक्रियाएं खतरों एवं दुष्प्रभावों से भरी हैं। वैसे बाईपास शल्यक्रिया की तुलना में कोरोनरी एंजियोप्लास्टी सस्ती एवं सुविधाजनक है। इसके लिए न तो रोगी को बेहोश करना पड़ता है और न ही चीरफाड़ करनी पड़ती है। लेकिन यह तरीका भी पूरी तरह निरापद, कष्टरहित व कारगर नहीं है। इसके अलावा अक्सर बाईपास एवं एंजियोप्लास्टी के बाद भी रोगी की धमनियों में दोबारा जमाव एवं रुकावट पैदा होने की आशंका बनी रहती है।

आर्टरी क्लीनिंग थेरेपी से न केवल हृदय रोगियों को जीवनदान दिया जा सकता है बल्कि उनके शरीर में होने वाली जीर्णता की प्रक्रिया भी टाली जा सकती है व उनकी यौन शक्ति भी बढ़ाई जा सकती है। इसके तहत मरीज़ के शरीर में इंजेक्शन के ज़रिए एथलीन डायमीन टेट्राएसेटिक एसिड (ई.डी.टी.ए.) का प्रवेश कराया जाता है। ई.डी.टी.ए. रक्त धमनियों में रुकावट का कारण बनने वाले कोलेस्ट्रॉल अथवा कैल्शियम को शरीर से बाहर निकालकर मरीज़ को जीवनदान देता है।

पश्चिमी देशों में इससे मिलती-जुलती चीलेशन नाम की चिकित्सा काफी समय से प्रचलित है। यह चिकित्सा न केवल धमनियों की रुकावट बल्कि हृदय वॉल्व में कैल्शियम के जमाव, मस्तिष्क सहित शरीर के किसी भी अंग की रक्त धमनियों में रुकावट, गैंगरीन, अल्ज़ीमर रोग, पार्किसोनिज़्म रोग, शीज़ोफ्रेनिया, रुमेटॉइड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गुर्दे एवं पित्त की थैली की पथरी, मोतियाबिंद, काला मोतिया, रक्तचाप, मधुमेह, अल्सर तथा सर्पदंश आदि के उपचार का भी कारगर तरीका है। इसके तहत कुछ पदार्थों की सहायता से भारी धातु की विषाक्तता अथवा बीमारियों का उपचार किया जाता है। इन पदार्थों को चीलेशन एजेंट कहते हैं। ये चीलेशन एजेंट विषाक्तता या

आर्टरी क्लीनिंग थेरेपी के तहत मरीज़ के शरीर में इंजेक्शन के ज़रिए एथलीन डायमीन टेट्राएसेटिक एसिड (ई.डी.टी.ए.) का प्रवेश कराया जाता है। ई.डी.टी.ए. रक्त धमनियों में रुकावट का कारण बनने वाले कोलेस्ट्रॉल अथवा कैल्शियम को शरीर से बाहर निकालकर मरीज़ को जीवनदान देता है।